RAWATSAR P.G. COLLEGE

'Sanskriti Ka Badlta Swaroop Aur AI Ki Bhumika' (SBSAIB-2025)

DATE: 25 January 2025

International Advance Journal of Engineering, Science and Management (IAJESM)

Multidisciplinary, Multilingual, Indexed, Double-Blind, Open Access, Peer-Reviewed, Refereed-International Journal, Impact factor (SJIF) = 8.152

महिलाओं के जीवन पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का प्रभाव

डॉ. सुमन बुगालिया, सह–प्राध्यापक, सोभासरिया कॉलेज, सीकर , ईमेल–drsbugalia@gmail-com

सारांश

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस या कृत्रिम बुद्धिमत्ता आज के समय में एक तेजी से विकसित हो रही तकनीक है। यह तकनीक हमारे जीवन के हर पहलू को प्रभावित कर रही है, जिसमें महिलाएं भी शामिल है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने महिलाओं के जीवन में महत्वपूर्ण परिवर्तन किए हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस महिलाओं को कई तरह से सशक्त बना रहा है। यह तकनीक शिक्षा, स्वास्थ्य, कैरियर और सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में महिलाओं के लिए नए अवसरों और चुनौतियों का निर्माण कर रही है। शिक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित तकनीक महिलाओं को व्यक्तिगत ज्ञान व अनुभव प्रदान कर रहे हैं, जिससे वे अपने कौशल को अधिक प्रभावी ढंग से विकसित कर सकती हैं। यह महिलाओं को लचीले और व्यक्तिगत शिक्षा के अवसर प्रदान करते हैं।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस संचालित उपकरणों का उपयोग करके महिलाएं अपने स्वास्थ्य की बेहतर निगरानी कर सकती हैं और बीमारियों का जल्दी पता लगा सकती हैं।यह महिलाओं के लिए विशेष स्वास्थ्य समस्याओं की पहचान और समाधान में सहायता कर रहा है, जिससे स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुंच बढ़ी है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस महिलाओं को नए रोजगार के अवसर पैदा कर रहा है और उन्हें कार्यस्थल में अधिक समावेशी बनाने में मदद कर रहा है, लेकिन साथ ही यह स्वचालन के कारण पारंपरिक नौकरियों के खोने का खतरा भी बढ़ा रहा है।सुरक्षा के क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित उपकरण और एप्लिकेशन महिलाओं की सुरक्षा को बढ़ावा देने में सहायक हो रहे हैं जैसे कि सुरक्षा अलर्ट और निगरानी प्रणाली।

यद्यपि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के सकारात्मक प्रभाव है लेकिनआर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के कुछ नकारात्मक प्रभाव भी हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस संचालित पूर्वाग्रह महिलाओं के खिलाफ भेदभाव को बढ़ा सकती है,ऑनलाइन सुरक्षा की कमी भी हो सकती है आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित निगरानी महिलाओं की गोपनीयता के लिए खतरा पैदा कर सकती है। इसके अलावा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के कारण होने वाले नौकरी के नुकसान का महिलाओं पर अधिक प्रभाव पड़ सकता है। इससे तकनीकी साक्षरता की कमी जैसी समस्याएं भी सामने आ रही हैं जो महिलाओं के सशक्तिकरण में बाधा बन सकती हैं। अतरू आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का प्रभाव महिलाओं के जीवन को अधिक समृद्ध बनाने में सक्षम है, बशर्ते कि इसे समानता और समावेशिता की दृष्टि से विकसित किया जाए।

शोध आलेख

विभिन्न युगों में भारतीय समाज में महिलाओं की स्थिति

प्राचीन काल से लेकर वर्तमान समय तक भारतीय समाज में महिलाओं की स्थिति में कई उतार–चढ़ाव आए हैं। विभिन्न युगों में महिलाओं की स्थिति बदलती रही है वैदिक काल में महिलाओं को पुरुषों के समान अधिकार प्राप्त थे। उन्हें शिक्षा, संपत्ति और धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लेने की स्वतंत्रता थी। लोपामुद्रा, गार्गी और मैत्रेयी जैसी विदुषी महिलाओं ने समाज में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उत्तर वैदिक काल में महिलाओं की स्थिति में कुछ गिरावट आई। पितृसत्तात्मक समाज का विकास हुआ और महिलाओं की स्वतंत्रता सीमित हुई। फिर भी, उन्हें परिवार में सम्मानजनक स्थान प्राप्त था। मौर्य काल में महिलाओं की स्थिति में और गिरावट आई। बाल विवाह और सती प्रथा जैसी कुप्रथाओं का प्रचलन बढ़ा। महिलाओं को घर की चारदीवारी तक सीमित कर दिया गया। गुप्त काल में महिलाओं की स्थिति में कुछ सुधार हुआ। उन्हें शिक्षा और कला के क्षेत्र में प्रोत्साहन मिला। फिर भी, उनकी स्वतंत्रता सीमित थी और वे पुरुषों पर निर्भर थीं। मध्यकाल में महिलाओं की स्थिति में भारी गिरावट आई। मुस्लिम आक्रमणों और राजपूतों के युद्धों ने महिलाओं को असुरक्षित बना दिया। पर्दा प्रथा, जौहर और बाल विवाह जैसी कुप्रथाओं का प्रचलन बढ़ा। आधुनिक काल में महिलाओं की स्थिति में सुधार के प्रयास शुरू हुए। राजा राम मोहन राय, ईश्वर चंद्र विद्यासागर और ज्योतिबा फुले जैसे समाज सुधारकों ने महिलाओं के अधिकारों के लिए आवाज उठाई। ब्रिटिश शासनकाल में महिलाओं को शिक्षा और रोजगार के अवसर मिले। स्वतंत्रता के बाद महिलाओं को पुरुषों के समान अधिकार देने के लिए कई कानून बनाए गए। आज भारतीय समाज में महिलाओं की स्थिति पहले से बेहतर है। वे शिक्षा, रोजगार, राजनीति और खेल जैसे विभिन्न क्षेत्रों में

International Advance Journal of Engineering, Science and Management (IAJESM)
Multidisciplinary, Multilingual, Indexed, Double-Blind, Open Access, Peer-Reviewed, Refereed-International Journal, Impact factor (SJIF) = 8.152

पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रही हैं। फिर भी, महिलाओं को अभी भी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। लैंगिक भेदभाव, हिंसा और उत्पीड़न जैसी समस्याएं आज भी समाज में व्याप्त हैं। यद्यपि वर्तमान में आई नई तकनीक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने महिलाओं के सामाजिक जीवन में काफी उतार चढ़ाव किया है ।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

कृत्रिम बुद्धिमत्ता एक ऐसी वैज्ञानिक तकनीक है जो मशीनों को इंसानों की तरह सोचने, सीखने और निर्णय लेने की क्षमता प्रदान करती है। यह कंप्यूटर पर आधारित विज्ञान की एक शाखा है, जिसमें इंटेलिजेंट मशीनों का निर्माण किया जाता है। इन मशीनों में इंसानों के जैसे ही सोचने और समझने की क्षमता होती है परंतु भावनाए नहीं होती।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के कई रूप होते है,इसका उपयोग आजकल कई क्षेत्रों में किया जा रहा है, जैसे कि स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, वित्त और मनोरंजन। स्वास्थ्य सेवा में, कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग रोगों का पता लगाने, दवाओं का विकास करने और मरीजों की देखभाल करने के लिए किया जा रहा है। शिक्षा में, इसका उपयोग छात्रों को व्यक्तिगत शिक्षा प्रदान करने और उनकी प्रगति का आकलन करने के लिए किया जा रहा है। वित्त में, इसका उपयोग धोखाधड़ी का पता लगाने के लिए किया जा रहा है। मनोरंजन में, इसका उपयोग वीडियो गेम और फिल्मों में किरदार बनाने के लिए किया जा रहा है। यह तकनीक जिसमें हमारे जीवन को बदलने की क्षमता है। हालांकि, इसके कुछ खतरे भी हैं, जैसे कि नौकरियों का नुकसान और गोपनीयता का उल्लंघन। इसलिए, यह जरूरी है कि हम कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विकास और उपयोग को सावधानीपूर्वक नियंत्रित करें। इस नई तकनीकी ने समाज के हर पक्ष को प्रभावित की है , जिसमें महिलाएं भी शामिल है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के आगमन से महिलाओं में कई सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहे हैं, लेकिन साथ ही कुछ चुनौतियाँ भी उत्पन्न हो रही हैं।

महिलाओं के जीवन पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का प्रभाव

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक का विकास समाज के हर क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन ला रहा है। यह तकनीक शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार और सामाजिक जीवन में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाने के साथ–साथ कई चुनौतियां भी प्रस्तुत कर रही है। इस शोध पत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के महिलाओं पर सकारात्मक और नकारात्मक प्रभावों का विश्लेषण किया गया है।

☐ **आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के महिलाओं पर सकारात्मक प्रभाव :**

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का महिला शिक्षा में उपयोग :

आजकल, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस हमारे समाज के हर पहलू को बदल रहा है, और शिक्षा भी इससे अछूती नहीं है। महिला शिक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग कई तरीकों से किया जा सकता है, जिससे महिलाओं को बेहतर और सुलभ शिक्षा प्राप्त करने में मदद मिल सकती है।

i- दूरस्थ शिक्षाः आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस महिलाओं को दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रमों के माध्यम से शिक्षा प्राप्त करने में मदद कर सकता है, खासकर उन महिलाओं के लिए जो दूरस्थ क्षेत्रों में रहती हैं या जिनके पास स्कूल जाने का साधन नहीं है।

ii- निजीकृत शिक्षाः आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस महिलाओं की व्यक्तिगत सीखने की जरूरतों और गति के अनुसार शिक्षा प्रदान कर सकता है। यह उन्हें अपनी गति से सीखने और उन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने की अनुमति देता है जिनमें उन्हें अधिक सहायता की आवश्यकता है।

iii-कौशल विकासः आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस महिलाओं को नए कौशल सीखने और अपने मौजूदा कौशल को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है, जो उन्हें बेहतर रोजगार के अवसर प्राप्त करने में मदद कर सकता है।

iv-शिक्षक सहायकः आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस शिक्षक महिलाओं को बेहतर शिक्षा प्रदान करने में मदद कर सकता है, जैसे कि व्यक्तिगत प्रतिक्रिया प्रदान करना और उनकी प्रगति को ट्रैक करना।

v- भाषा सीखने में मददः आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस महिलाओं को नई भाषाएं सीखने में मदद कर सकता है, जो उनके लिए रोजगार और शिक्षा के अवसर बढ़ा सकता है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का महिला स्वास्थ्य में उपयोग :

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधुनिक चिकित्सा क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव ला रहा है, विशेष रूप से महिला

International Advance Journal of Engineering, Science and Management (IAJESM)
Multidisciplinary, Multilingual, Indexed, Double-Blind, Open Access, Peer-Reviewed, Refereed-International Journal, Impact factor (SJIF) = 8.152

स्वास्थ्य के क्षेत्र में। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक न केवल रोगों की पहचान और निदान को आसान बना रही है, बल्कि व्यक्तिगत स्वास्थ्य देखभाल में भी सुधार कर रही है।

i- प्रजनन और मातृत्व देखभाल : आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग बांझपन के उपचार, आईवीएफ प्रक्रियाओं को अधिक प्रभावी बनाने और गर्भावस्था की जटिलताओं का पूर्वानुमान लगाने में किया जाता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस गर्भवती महिलाओं के लिए व्यक्तिगत देखभाल योजनाएँ तैयार करने में मदद करते हैं।

ii- स्तन कैंसर और अन्य बीमारियों का निदान : आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित इमेजिंग तकनीक, जैसे मैमोग्राफी और एमआरआई स्कैन, स्तन कैंसर का जल्दी और सटीक पता लगाने में मदद कर रही हैं। यह पारंपरिक तरीकों की तुलना में अधिक संवेदनशील और विश्वसनीय है।

iii- मानसिक स्वास्थ्य और हार्मोनल संतुलन : आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित चौटबॉट और एप्लिकेशन महिलाओं को मानसिक स्वास्थ्य सहायता प्रदान करते हैं। अवसाद, चिंता और पीरियड से संबंधित भावनात्मक असंतुलन का विश्लेषण करके यह सही समय पर परामर्श और सुझाव प्रदान कर सकते हैं।

iv- मासिक धर्म और रजोनिवृत्ति प्रबंधन : आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित ऐप्स, जैसे क्लू और फ्लो, मासिक धर्म चक्र को ट्रैक करने, ओव्यूलेशन की भविष्यवाणी करने और पीरियड्स से संबंधित लक्षणों का विश्लेषण करने में मदद करते हैं।

v-व्यक्तिगत स्वास्थ्य निगरानी : स्मार्टवॉच आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करके हृदय गति, ब्लड प्रेशर और अन्य शारीरिक गतिविधियों की निगरानी करते हैं, जिससे महिलाओं को अपने स्वास्थ्य पर बेहतर नियंत्रण मिलता है।

अतः आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस महिला स्वास्थ्य को अधिक प्रभावी, सटीक और सुलभ बना रहा है। इसके उपयोग से जटिल बीमारियों का समय पर निदान और उपचार संभव हो रहा है, जिससे महिलाओं का जीवन स्तर बेहतर हो रहा है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का महिला रोजगार में उपयोग :

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का महिला रोजगार पर गहरा प्रभाव पड़ रहा है। यह महिलाओं के लिए नए अवसर पैदा कर रहा है, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने दुनिया भर में कार्यक्षेत्र को बदल दिया है और महिलाओं के रोजगार के अवसरों को भी नए आयाम दिए हैं। पारंपरिक नौकरियों के अलावा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस महिलाओं के लिए नई संभावनाएं खोल रहा है, जिससे वे अधिक प्रभावी, लचीले और उच्च वेतन वाले कार्यों में संलग्न हो सकती हैं।

i- रिमोट वर्क : आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित टूल्स महिलाओं को घर से काम करने के अवसर प्रदान कर रहे हैं। इससे वे कार्य और पारिवारिक जिम्मेदारियों के बीच संतुलन बना सकती हैं।

ii- तकनीकी क्षेत्रों में भागीदारी : आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग के क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ रही है। कई टेक कंपनियां महिलाओं को डेटा साइंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस डेवलपमेंट और साइबर सिक्योरिटी में प्रशिक्षित कर रही हैं, जिससे उनकी नौकरियों की संभावनाएं बढ़ी हैं।

iii- स्वास्थ्य और शिक्षा में सुधार : आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित हेल्थकेयर और एजुकेशन प्लेटफॉर्म महिलाओं के लिए रोजगार के नए अवसर खोल रहे हैं। वे टेलीमेडिसिन, ऑनलाइन टीचिंग, और मेंटल हेल्थ काउंसलिंग जैसी सेवाओं में योगदान दे रही हैं।

iv- स्टार्टअप और एंटरप्रेन्योरशिप : आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने महिलाओं को उद्यमिता के लिए सशक्त बनाया है। वे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित बिजनेस चला रही हैं, जैसे चौटबॉट सर्विसेज, ई–कॉमर्स और डिजिटल मार्केटिंग।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का महिला सुरक्षा में उपयोग :

आजकल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता का इस्तेमाल हर क्षेत्र में हो रहा है और इससे महिलाओं की सुरक्षा भी अछूती नहीं है।

i-पहचान और चेतावनीः आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से सीसीटीवी कैमरों में महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों की पहचान की जा सकती है और पुलिस को तुरंत सूचित किया जा सकता है।

International Advance Journal of Engineering, Science and Management (IAJESM)
Multidisciplinary, Multilingual, Indexed, Double-Blind, Open Access, Peer-Reviewed, Refereed-International Journal, Impact factor (SJIF) = 8.152

ii-सुरक्षित स्थानः आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से महिलाओं के लिए सुरक्षित स्थानों की पहचान की जा सकती है और उन्हें असुरक्षित क्षेत्रों से बचने के लिए कहा जा सकता है।

iii.ऐप्सः कई ऐसे ऐप्स हैं जो महिलाओं को खतरे का आभास होने पर मदद के लिए कहती हैं और उनकी लोकेशन पुलिस और उनके परिवार तक पहुंचाती हैं।

iv.वर्चुअल असिस्टेंटः आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से लैस वर्चुअल असिस्टेंट महिलाओं को अकेले यात्रा करते समय सुरक्षा प्रदान कर सकते हैं।

v-सोशल मीडिया की निगरानीः आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से सोशल मीडिया पर महिलाओं के खिलाफ होने वाली ऑनलाइन हिंसा और उत्पीड़न की निगरानी की जा सकती है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का महिला मनोरंजन में उपयोग :

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आज हर क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव ला रहा है, और महिला मनोरंजन भी इससे अछूता नहीं है।

i-आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग फिल्म, संगीत, फैशन, सोशल मीडिया और गेमिंग में तेजी से बढ़ रहा है, जिससे महिलाओं के मनोरंजन के अनुभव को अधिक प्रभावशाली और व्यक्तिगत बनाया जा रहा है।

ii-फिल्म और टेलीविजन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग महिला किरदारों को और सशक्त बनाने, डिजिटल अभिनेत्रियों को विकसित करने और स्क्रिप्ट लिखने में किया जा रहा है।

पपपवर्चुअल इंफ्लुएंसर्स, जैसे कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जनित महिला व्यक्तित्व, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर लोकप्रियता हासिल कर रहे हैं और ब्रांड प्रमोशन में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

iv.फैशन इंडस्ट्री में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस महिला ग्राहकों की पसंद को समझकर उन्हें व्यक्तिगत सुझाव देता है, जिससे उनकी शॉपिंग और स्टाइलिंग का अनुभव बेहतर होता है।

v-संगीत क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित एप्लिकेशन महिलाओं के लिए प्लेलिस्ट तैयार करते हैं और उनकी पसंद के अनुसार नए गाने सुझाते हैं।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का महिलाओं के घरेलू काम में उपयोग :

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस महिलाओं के घरेलू काम में क्रांतिकारी बदलाव ला सकता है। यह न केवल उनके काम के बोझ को कम कर सकता है बल्कि उन्हें अधिक खाली समय भी दे सकता है।

i-स्वचालित सफाईः रोबोटिक वैक्यूम क्लीनर और फर्श साफ करने वाले उपकरण आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करके घर को स्वचालित रूप से साफ कर सकते हैं।

ii-स्मार्ट रसोईः आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस संचालित उपकरण खाना पकाने में मदद कर सकते हैं, जैसे कि स्वचालित ओवन और स्मार्ट फ्रिज जो भोजन को ट्रैक करते हैं और सुझाव देते हैं कि क्या पकाना है।

iii-कपड़े धोना और सुखानाः आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस संचालित वाशिंग मशीन और ड्रायर कपड़ों के प्रकार के अनुसार स्वचालित रूप से साइकिल का चयन कर सकते हैं।

iv.बच्चों की देखभालः आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस संचालित बेबी मॉनिटर बच्चों की गतिविधियों पर नजर रख सकते हैं और माता–पिता को सूचित कर सकते हैं यदि कोई समस्या है।

v-घर का प्रबंधनः आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस संचालित सिस्टम घर के तापमान, रोशनी और सुरक्षा को नियंत्रित कर सकते हैं।

महिलाओं के वित्तीय प्रबंधन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग :

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस महिलाओं को उनके वित्तीय जीवन को बेहतर ढंग से प्रबंधित करने में मदद करने के लिए कई तरह के उपकरण और सेवाएं प्रदान करता है।

i.स्वचालित बजटिंग और बचतः आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस संचालित ऐप्स और टूल महिलाओं को उनके खर्चों को ट्रैक करने, बजट बनाने और स्वचालित रूप से पैसे बचाने में मदद कर सकते हैं।

ii.निवेश सलाहः आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस संचालित रोबो–सलाहकार महिलाओं को उनकी जोखिम सहने की क्षमता और वित्तीय लक्ष्यों के आधार पर निवेश पोर्टफोलियो बनाने और प्रबंधित करने में मदद कर सकते हैं।

iii.वित्तीय शिक्षाः आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस संचालित चौटबॉट और वर्चुअल सहायक महिलाओं को वित्तीय

International Advance Journal of Engineering, Science and Management (IAJESM)
Multidisciplinary, Multilingual, Indexed, Double-Blind, Open Access, Peer-Reviewed, Refereed-International Journal, Impact factor (SJIF) = 8.152

साक्षरता और निवेश के बारे में अधिक जानने में मदद कर सकते हैं।

iv.धोखाधड़ी का पता लगानाः आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस संचालित सिस्टम महिलाओं को धोखाधड़ी और अन्य वित्तीय जोखिमों से बचाने में मदद कर सकते हैं।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और लैंगिक असमानता को कम करना :

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में महिलाओं के लिए लैंगिक असमानता को कम करने की क्षमता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस महिलाओं को उन क्षेत्रों में अवसर प्रदान कर सकता है जहां वे ऐतिहासिक रूप से कम प्रतिनिधित्व करती रही हैं, जैसे कि विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित क्षेत्र आदि । आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस महिलाओं को कार्यस्थल में समानता और समावेशिता को बढ़ावा देने में मदद कर सकता है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का महिला सशक्तिकरण में उपयोग :

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस महिलाओं के सशक्तिकरण में कई तरह से मदद कर सकता है।

i.शिक्षा और कौशल विकासः आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस संचालित प्लेटफॉर्म महिलाओं को उनकी गति और सुविधा के अनुसार सीखने के अवसर प्रदान कर सकते हैं। यह उन महिलाओं के लिए विशेष रूप से उपयोगी हो सकता है जो दूरदराज के क्षेत्रों में रहती हैं या जिनके पास पारंपरिक शिक्षा तक पहुंच नहीं है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस महिलाओं को कोडिंग, डेटा साइंस और डिजिटल मार्केटिंग जैसे तकनीकी कौशल सीखने में भी मदद कर सकता है, जिससे उनके लिए रोजगार के नए अवसर खुल सकते हैं।

ii-स्वास्थ्यः आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस संचालित उपकरण महिलाओं को अपने स्वास्थ्य की निगरानी करने और समय पर चिकित्सा सहायता प्राप्त करने में मदद कर सकते हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस महिलाओं को गर्भावस्था, प्रसव और स्तन कैंसर जैसी स्वास्थ्य समस्याओं के बारे में जानकारी और सहायता प्रदान कर सकता है।

iii-वित्तीय समावेशनः आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस संचालित वित्तीय सेवाएं महिलाओं को बैंकिंग और ऋण तक पहुंच प्रदान कर सकती हैं। यह उन महिलाओं के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है जिनके पास पारंपरिक वित्तीय संस्थानों तक पहुंच नहीं है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस महिलाओं को अपने वित्तीय लक्ष्यों को निर्धारित करने और उन्हें प्राप्त करने में भी मदद कर सकता है।

iv.सुरक्षाः आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस संचालित निगरानी प्रणाली महिलाओं को सुरक्षित रहने में मदद कर सकती हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस महिलाओं को उत्पीड़न और हिंसा से बचाने में भी मदद कर सकता है।

☐ **आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का महिलाओं के जीवन में नकारात्मक प्रभावः**

रोजगार में कमीः आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ऑटोमेशन के कारण कई ऐसे काम हैं जो महिलाओं द्वारा किए जाते थे, अब मशीनों द्वारा किए जा रहे हैं, जिससे महिलाओं के रोजगार में कमी हो रही है।

लैंगिक भेदभावः कई आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सिस्टम में लैंगिक भेदभाव देखने को मिलता है, जिससे महिलाओं के साथ अनुचित व्यवहार होता है।

डेटा गोपनीयताः महिलाओं का डेटा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सिस्टम द्वारा इस्तेमाल किया जा सकता है, जिससे उनकी गोपनीयता भंग हो सकती है।

साइबरबुलिंगः महिलाओं को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से साइबरबुलिंग का शिकार बनाया जा सकता है।

गलत सूचनाः आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से महिलाओं को गलत सूचना दी जा सकती है, जिससे उन्हें गुमराह किया जा सकता है।

डिजिटल डिवाइडः महिलाओं के पास आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक तक पुरुषों की तुलना में कम पहुंच हो सकती है, जिससे डिजिटल डिवाइड बढ़ सकता है।

स्वास्थ्य समस्याएंः आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के इस्तेमाल से महिलाओं के स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

सामाजिक अलगावः आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के कारण महिलाओं का सामाजिक अलगाव बढ़ सकता है।

निर्भरताः महिलाएं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर अधिक निर्भर हो सकती हैं, जिससे उनकी स्वतंत्रता कम

International Advance Journal of Engineering, Science and Management (IAJESM)
Multidisciplinary, Multilingual, Indexed, Double-Blind, Open Access, Peer-Reviewed, Refereed-International Journal, Impact factor (SJIF) = 8.152

हो सकती है।
सुरक्षाः आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से महिलाओं की सुरक्षा को खतरा हो सकता है।
उत्पादकता में कमीः आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के कारण महिलाओं की उत्पादकता में कमी हो सकती है।
शिक्षा में कमीः आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के कारण महिलाओं की शिक्षा में कमी हो सकती है।
निर्णय लेने की क्षमता में कमीः आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के कारण महिलाओं की निर्णय लेने की क्षमता में कमी हो सकती है।
आत्मविश्वास में कमीः आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के कारण महिलाओं के आत्मविश्वास में कमी हो सकती है।
मानसिक स्वास्थ्य समस्याएंः आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के कारण महिलाओं को मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं।
पारिवारिक समस्याएंः आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के कारण महिलाओं को पारिवारिक समस्याएं हो सकती हैं।
सामाजिक असमानताः आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के कारण समाज में महिलाओं की स्थिति और खराब हो सकती है।
शोषणः आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से महिलाओं का शोषण किया जा सकता है।
हिंसाः आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से महिलाओं के खिलाफ हिंसा को बढ़ावा दिया जा सकता है।
मानवाधिकारों का उल्लंघनः आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से महिलाओं के मानवाधिकारों का उल्लंघन किया जा सकता है।
यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के कई सकारात्मक पहलू भी हैं, लेकिन इसके नकारात्मक प्रभावों को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। महिलाओं को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के नकारात्मक प्रभावों से बचाने के लिए उपाय किए जाने चाहिए।

निष्कर्ष

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधुनिक समाज में तेजी से प्रभाव डाल रहा है, और इसका प्रभाव महिलाओं के जीवन के विभिन्न पहलुओंकृशिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य, सुरक्षा और सामाजिक स्वतंत्रताकृपर विशेष रूप से देखा जा रहा है ।
आजकल, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस हमारे समाज के हर पहलू को बदल रहा है, और शिक्षा भी इससे अछूती नहीं है। महिला शिक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग कई तरीकों से किया जा रहा है, जिससे महिलाओं को बेहतर और सुलभ शिक्षा प्राप्त करने में मदद मिल रही है ।
आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधुनिक चिकित्सा क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव ला रहा है, विशेष रूप से महिला स्वास्थ्य के क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक न केवल रोगों की पहचान और निदान को आसान बना रही है, बल्कि व्यक्तिगत स्वास्थ्य देखभाल में भी सुधार कर रही है।
आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का महिला रोजगार पर गहरा प्रभाव पड़ रहा है। यह महिलाओं के लिए नए अवसर पैदा कर रहा है, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने दुनिया भर में कार्यक्षेत्र को बदल दिया है और महिलाओं के रोजगार के अवसरों को भी नए आयाम दिए हैं। पारंपरिक नौकरियों के अलावा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस महिलाओं के लिए नई संभावनाएं खोल रहा है, जिससे वे अधिक प्रभावी, लचीले और उच्च वेतन वाले कार्यों में संलग्न हो रही हैं।
आजकल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल हर क्षेत्र में हो रहा है और इससे महिलाओं की सुरक्षा और महिला मनोरंजन भी इससे अछूता नहीं है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस महिलाओं के घरेलू काम में क्रांतिकारी बदलाव ला रहा है। यह न केवल उनके काम के बोझ को कम कर रहा है बल्कि उन्हें अधिक खाली समय भी दे रहा है।आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस महिलाओं को उनके वित्तीय जीवन को बेहतर ढंग से प्रबंधित करने में मदद करने के लिए कई तरह के उपकरण और सेवाएं प्रदान कर रहा है।
आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में महिलाओं के लिए लैंगिक असमानता को कम करने की क्षमता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस महिलाओं को उन क्षेत्रों में अवसर प्रदान कर रहा है जहां वे ऐतिहासिक रूप से कम प्रतिनिधित्व करती रही हैं, जैसे कि विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित क्षेत्र आदि ।

International Advance Journal of Engineering, Science and Management (IAJESM)
Multidisciplinary, Multilingual, Indexed, Double-Blind, Open Access, Peer-Reviewed, Refereed-International Journal, Impact factor (SJIF) = 8.152

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस महिलाओं को कार्यस्थल में समानता और समावेशिता को बढ़ावा देने में मदद कर रहा है।

सारांश रूप में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने महिलाओं के जीवन में क्रांतिकारी परिवर्तन लाया है, जिससे उन्हें शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य और सुरक्षा में नए अवसर मिले हैं। हालाँकि, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जुड़े जेंडर बायस और ऑटोमेशन से नौकरियों के खतरे जैसी चुनौतियों को हल करना आवश्यक है। महिलाओं को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और तकनीक के क्षेत्र में अधिक भागीदारी देकर इस बदलाव को और अधिक समावेशी बनाया जा सकता है।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. "AI Superpowers: China, Silicon Valley, and the New World Order", Kai-Fu Lee, Houghton Mifflin Harcourt, 2018.
2. "Artificial Intelligence: A Guide for Thinking Humans", Melanie Mitchell, Farrar, Straus and Giroux, 2019.
3. "Artificial Intelligence: A Very Short Introduction", Margaret A. Boden, Oxford University Press, 2018.
4. "Artificial Intelligence: Structures and Strategies for Complex Problem Solving", George F. Luger, Addison-Welles, 2008.
5. "Artificial Intelligence: A New Synthesis", Nils J. Nilsson, Morgan Kaufmann, 1998.
6. "Architects of Intelligence: The Truth About AI from the People Building It", Martin Ford, 2018.
7. "Artificial Intelligence: A Modern Approach", Stuart Russell and Peter Norvig, Prentice Hall, 2010.
8. "Deep Learning", Ian Goodfellow, Yoshua Bengio, and Aaron Courville, MIT Press, 2016.
9. "Life 3.0: Being Human in the Age of Artificial Intelligence", Max Tegmark, Knopf, 2017.
10. "Superintelligence: Paths, Dangers, Strategies", Nick Bostrom, Oxford University Press, 2014.
11. "The Fourth Industrial Revolution", Klaus Schwab, Crown Business, 2016.
12. "The Master Algorithm: How the Quest for the Ultimate Learning Machine Will Remake Our World", Pedro Domingos, Basic Books, 2015.
13. "Weapons of Math Destruction: How Big Data Increases Inequality and Threatens Democracy", Cathy O'Neil, Crown Publishing Group, 2016.
14. "You Look Like a Thing and I Love You: How Artificial Intelligence Works and Why It's Making the World a Weirder Place", Jennifer Wright, World Wide Publishing, 2019.